श्री बी.प्रसाद राव

अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक, बीएचईएल द्वारा
वर्ष 2011-12 में कम्पनी के निष्पादन पर
पत्रकार सम्मेलन में सम्बोधन

कठिन बाजार स्थितियों में रिकार्ड निष्पादन

- वित्तीय- उच्चतम कारोबार एवं लाभ
- XI योजना में क्षमता विस्तार - जो X योजना अवधि से लगभग दोगुना है
- इंजीनियरी तथा अनुसंधान एवं विकास पर अधिक फोकस - अनुसंधान एवं विकास पर उच्चतम व्यय और सबसे अधिक पेटेंट / कॉपीराइट फाइल किए गए

	2010 – 11	2010-11*	2011 – 12 (*अंनतिम*)		% परिवर्तन
	(क)	(ख)	(ग)		(ग/ख)
कुल कारोबार (करोड़ रूपए)	43,337	41,299	49,301		19.4
कर पूर्व लाभ (करोड़ रूपए)	9,006	8,487	10,001		17.8
शुद्ध लाभ (करोड़ रूपए)	6,011	5,665	6,868		21.2
निवल मूल्य (करोड़ रूपए)	20,154	19,808	24,947		25.9
प्रति शेयर अर्जन (रूपए) @	24.56	23.15	28.06		21.2
अनुसंधान एवं विकास निवेश (करोड़ रूपए)	982	982	1162		18.33

नोट:* पूर्व वर्षों में वारंटी देयताओं हेतु प्रावधान से संबंधित नीति में एक बार के प्रभाव को छोड़कर

@ समान आधार पर 2010-11 के लिए शेयरों की संख्या पर शेयर विभाजन के पश्चात परिकलित

प्रमुख उपलब्धियां

प्रौद्योगिकी एवं नवप्रवर्तन

- एक वर्ष में फाइल किए अधिकतम 351 पेटेंट/कापीराइट - एक पेटेंट प्रतिदिन ।
- अनुसंधान एवं विकास में 1162 करोड़ रूपए का निवेश जो पिछले वर्ष से 18 प्रतिशत अधिक है ।
- चार नए उत्कृष्टता केन्द्रों की स्थापना, जिनकी संख्या बढ़कर 13 हो गई है ।
- उच्च पावर अनुप्रयोगों के लिए बीएचईएल के स्पेस-ग्रेड सोलर पैनलों को हाल ही में फ्रेंच गुयाना से छोड़े गए इसरो के उच्च पावर संचार सेटेलाइट जीएसएटी-8 में सफलतापूर्वक लगाया गया ।

मार्केटिंग उपलब्धियां

नए ऑर्डर

- वर्तमान ग्राहकों से नए ऑर्डर मिलने पर पुन: विश्वास व्यक्त - डीबी पावर (एमपी) लिमिटेड से 2x660 मेगावाट सुपरक्रिटिकल सेट, एनटीपीसी की मौदा सुपरक्रिटीकल थर्मल परियोजना के लिए 2x660 मेगावाट के 3 जेनरेटर का ऑर्डर तथा अभिजीत प्रोजेक्टस लिमिटेड के लिए 300 मेगावाट की नई रेटिंग का थर्मल सेट ।
- सिंगारेनी कोलीरीज कंपनी लिमिटेड से 2x600 सिंगारेनी थर्मल विद्युत परियोजना के लिए मुख्य संयंत्र उपस्कर पैकेज ।

- एबीबी के साथ कन्सोर्टियम में अब तक की सबसे अधिक कन्वर्टर क्षमता के साथ 1700 कि.मी. तक (पूर्वोतर से आगरा) हाइड्रो पावर की आपूर्ति करने के लिए विश्व की प्रथम + 800 केवी, 6000 मेगावाट यूएचएचवीडीसी मल्टी टर्मिनल ट्रांसमिशन प्रणाली स्थापित करने के लिए पीजीसीआईएल के साथ संविदा पर हस्ताक्षर किए ।
- ओएनजीसी द्वारा बीएचईएल में विश्वास व्यक्त करते हुए बीएचईएल को 06 आधुनिक एसी ड्रिलिंग रिग्स का ऑर्डर दिया ।
- एनएमडीसी से कच्चे माल की हैडलिंग (आरएमएचएस) के लिए 1395 करोड़ रूपये का सबसे बड़ा एकल ऑर्डर प्राप्त किया ।
- पीजीसीआईएल से रायचूर में 765/400 केवी सबस्टेशन खंड में ऑर्डर प्राप्त करके 765 केवी सब स्टेशन खंड में प्रवेश ।

उत्पाद प्रस्तुति

- 300 मेगावाट की नई रेटिंग के सेट की शुरुआत की जिससे सबक्रिटिकल तथा सुपरक्रिटिकल रेंज में उपलब्ध थर्मल सेटों की हमारी श्रृंखला में और वृद्धि हुई है ।
- देश में पहली बार 525 मेगावाट की नई रेटिंग के थर्मल सेटों को कमीशन किया ।
- भारत के सबसे बड़े 250 मेगावाट सीएफबीसी बायलर और 125 मेगावाट के दो सीएफबीसी बायलरों के साथ भारतीय परिस्थितियों में सीएफबीसी बॉयलर टेक्नॉलाजी में स्थायित्व प्राप्त किया ।
- 1200 केवी यूएचवीएसी ट्रांसमिशन सिस्टम की पूर्ति के लिए के लिए भारत की प्रथम और देश में ही विकसित उच्चतम 1200 केवी रेटिंग की श्रेणी के ट्रांसफार्मर का सफलतापूर्व परीक्षण चार्ज किया किया गया ।

वैश्विक उपलब्धियां

- 21 देशों से निर्यात ऑर्डर ।
- नए बाजार - उक्रेन में प्रवेश ।
- ओमान, ताइवान, नेपाल और अफगानिस्तान में पावर एवं ट्रांसमिशन परियोजनाओं को कमीशन किया ।
- विश्व 19 देशों में 24 कॉन्ट्रेक्ट पूरे किए ।

प्रचालनात्मक उत्कृष्टता एवं गुणवत्ता

- 12 में से 9 पावर स्टेशनों और 13 में 10 पावर स्टेशनों को क्रमश: 2009-10 तथा 2010-11 में शानदार निष्पादन के लिए भारत सरकार का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है, उनमें बीएचईएल के उपस्कर लगे हुए हैं । इससे बीएचईएल उपस्करों की विश्वसनीयता और गुणवत्ता प्रबलित होती है ।
- वित्तीय वर्ष 2011-12 में देश में बिजली के उत्पादन में बीएचईएल के सेटों ने 69 प्रतिशत का योगदान किया है ।
- 500 मेगावाट क्षमता के थर्मल सेटों ने पिछले पांच वर्षों में 90 प्रतिशत से अधिक की सतत, प्रचालन उपलब्धता बनाए रखी है ।

स्ट्राटैजिक पहल

नई स्ट्राटैजिक योजना

- वैश्विक इंजीनियरी उद्यम बनने विजन के साथ कंपनी को चलाने के लिए 2012-17 नई स्ट्राटैजिक योजना बनाई गई है ।
- ईपीसी क्षमता का निर्माण करके पावर सेक्टर में उत्पाद प्रस्तुति का विस्तार किया जायेगा ।
- परिवहन, ट्रांसमिशन, रक्षा, अक्षय ऊर्जा, न्युक्लियर और जल खंड पर फोकस रहेगा ।

अक्षय ऊर्जा पर ध्यान

- एसपीवी व्यवसाय में नया रिकार्ड बनाया - देशभर में 15 मेगावाट पी क्षमता के सौर विद्युत संयंत्र लगाए गए
- आईओसीएल के लिए 5 मेगावाट पी और केपीसीएल के लिए 3 मेगावाट पी के पर्यावरण

अनुकूल ग्रिड इंटरएक्टिव सौर विद्युत संयंत्र लगाए गए ।

कमीशनिंग

- बीएचईएल ने अभी तक की सबसे अधिक कुल मिलाकर 8410 मेगावाट के यूटिलीटी कमीशन की हैं, इसमें 8138 मेगावाट का क्षमता विस्तार (पिछले वर्ष से 29 प्रतिशत अधिक) तथा 272 मेगावाट सिक्रोनाइज शामिल हैं और क्षमता विस्तार के लिए यूटिलिटी से अनुमति की प्रतीक्षा है ।
- बीएचईएल ने वर्ष के दौरान पिछले वर्ष के 8 सेटों की तुलना में 500 मेगावाट के 13 सेट कमीशन किए हैं ।

सम्मान

- भारत की माननीया राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटिल ने बीएचईएल को आरएंडडी, प्रौद्योगिकी विकास और नवप्रवर्तन के लिए स्कोप का मेरिटोरियस पुरस्कार प्रदान किया ।

भारत की माननीया राष्ट्रपति आरएंडडी, प्रौद्योगिकी विकास और नवप्रवर्तन के लिए स्कोप कारिटोरियस पुरस्कार प्रदान करते हुए

- भारत के माननीय प्रधानमंत्री, डा. मनमोहन सिंह ने 'औद्योगिक क्षेत्र' में शीर्ष निष्पादन कर्ता सीपीएसई के रूप में बीएचईएल को 'एमओयू उत्कृष्ट पुरस्कार-2009-10' प्रदान किया ।
- एनडीटीवी प्रोफिट बिजनेस अवार्ड लगातार दूसरे वर्ष अकेले सार्वजनिक उपक्रम बीएचईएल को प्रदान किया गया ।
- लगातार बाइसवें वर्ष परियोजना निर्यात के लिए ईईपीसी का टॉप एक्सपोर्ट अवार्ड प्राप्त किया ।
- बिजनेस टुडे पत्रिका द्वारा इंजीनियरी एवं आटोमेटिव वर्ग में काम करने के लिए सर्वोतम इंजीनियरी कंपनी का दर्जा दिया गया ।
- प्रख्यात अमरीकी व्यावसायिक पत्रिका 'फोर्ब्स' द्वारा बीएचइएल को विश्व की नौवीं अधिकतम नवप्रर्वतनकारी कंपनी का दर्जा दिया गया ।

निष्पादन विवरण

बीएचईएल ने देश में परियोजनाओं में कम निवेश के वातावरण, अपने व्यवसाय क्षेत्रों में आर्डरों के स्थगन और अर्थव्यवस्था में मांग संकुचन से इंजीनियरी और पूंजीगत समान उद्योग पर हुए प्रतिकूल प्रभाव की पृष्ठभूमि में एक और सफल वर्ष 2011-12 पूरा किया है । कंपनी ने अपने अन्तर्निहित शक्ति और सशक्त बुनियादी ढांचे के कारण इन दबावों का सामना किया ।

वित्तीय निष्पादन:

- बीएचईएल ने अब तक के सबसे अधिक **49,301 करोड़ रूपए** का कुल कारोबार कर के पिछले वर्ष की तुलना में 19.4 **प्रतिशत** की वृद्धि दर्ज की । वर्ष के दौरान कर पूर्व लाभ (पीबीटी) पिछले वर्ष के 8,487* **करोड़ रूपए** की तुलना में 17.8 **प्रतिशत** की वृद्धि के साथ **10,001 करोड़ रूपए** रहा ।

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, बीएचईएल, माननीय केन्द्रीय भारी उद्योग एवं लोक उद्यम मंत्री को लाभांश का चैक भेंट करते हुए

- शुद्ध लाभ (पीएटी) पिछले वर्ष के 5,665 **करोड़** रूपए की तुलना में 21.2 **प्रतिशत** की वृद्धि के साथ 6868 **करोड़** रूपए रहा । इसके परिणामस्वरूप वर्ष 2011-12 में अब तक का सबसे अधिक 136 **प्रतिशत** लाभांश का भुगतान किया गया । इसके साथ 1976-77 से लगातार लाभांश देने का शानदार रिकार्ड बनाए रखा ।
- प्रति शेयर अर्जन (ईपीएस) 28.06 **रूपए** रहा, जो 2010-11 की तुलना में **21.2** प्रतिशत अधिक है ।
- प्रति शेयर शुद्ध परिसम्पति मूल्य (एनएवी) **101.9**. रूपए रहा जो कंपनी की अन्तर्निहित शक्ति को दर्शाता है ।
- कुल निर्यात कारोबार (वास्तविक + मानिक) **22,014 करोड़ रूपए** रहा ।

नोट:* पूर्व वर्षों में वारंटी देयताओं हेतु प्रावधान से संबंधित नीति में एक बार के प्रभाव को छोड़कर

मार्केटिंग उपलब्धियां

ऑर्डर प्राप्ति

पावर सेक्टर में गतिरोध और घरेलू एवं विदेशी बायलरों में तीव्र प्रतिस्पर्धी दबाव के बावजूद भी बीएचईएल ने वर्ष के दौरान **22,096 करोड़ रूपए** के ऑर्डर प्राप्त किए । वर्ष के अंत में 2012-13 तथा उसके बाद पूरे किए जाने वाले लगभग **1,34,681 करोड़ रूपए** के संचयी आर्डर हाथ में हैं

- पिछले वर्ष तक सबसे अधिक विकासशील सेक्टर होते हुए, भारत में पावर सेक्टर में वर्ष 2011-12 के दौरान तेजी से कमी आई है । परियोजना विकासकर्ता अनेकों बाधाओं का सामना कर रहे हैं, जिससे कोयला नियतन, गैस नियतन, पर्यावरणीय अनुमति, भूमि अधिग्रहण, वित्तपोषण, कानूनी मसले आदि कारणों से चल रही तथा नई परियोजनाएं प्रभावित हुई हैं । इसके परिणामस्वरूप, कई

ऐसी परियोजनाओं की बोली प्रक्रिया में देरी हुई है और कई परियोजनाओं की बोली प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी, जिनकी बोली एक से अधिक वर्ष पहले खुल चुकी थी ।

- **पावर सेक्टर व्यवसाय खंड** में बीएचईएल ने वर्ष के दौरान **विद्युत संयंत्र** एवं इससे जुड़े उपकरणों के अधिकांश आर्डर प्राप्त करके अपनी प्रतिस्पर्धा का परिचय दिया है । कंपनी ने वर्ष के दौरान **13,937 करोड़ रूपए** के आर्डर प्राप्त किए ।

पावर सेक्टर में प्राप्त महत्वपूर्ण ऑर्डरों में शामिल हैं:

- डीबी पावर (एमपी) लिमिटेड से **2x660 मेगावाट सिंगरौली सुपरक्रिटिकल विद्युत परियोजना** केलिए मुख्य संयंत्र उपस्कर पैकेज
- सिंगारेनी कोलीरीज कंपनी लिमिटेड से **2x600 मेगावाट सिंगारेनी थर्मल विद्युत परियोजना** के लिए मुख्य संयंत्र उपस्कर पैकेज
- बल्क टेंडर में एनटीपीसी की मौदा सुपरक्रिटीकल थर्मल परियोजना के लिए **2x660** मेगावाट स्टीम जेनरेटर का ऑर्डर
- अभिजीत प्रोजेक्टस लिमिटेड के 300 **मेगावाट की नई रेटिंग के थर्मल सेट** का पहला आर्डर

- अपने **उद्योग क्षेत्र व्यवसाय** खंड में, बीएचईएल ने कैप्टिव पावर, परिवहन, ट्रांसमिशन, तेल एवं गैस, अक्षय ऊर्जा तथा अन्य औद्योगिक क्षेत्रों में उपयोग के लिए विभिन्न प्रकार के उपस्करों एवं प्रणालियों के लिए **8,782 करोड़ रूपए** के **रिकार्ड आर्डर** प्राप्त किए हैं, इससे गैर-पावर सेक्टर व्यवसाय में अपने विविधीकरण प्रयासोंको मजबूत किया है ।

उद्योग क्षेत्र में प्राप्त महत्वपूर्ण ऑर्डरों में शामिल हैं :

- सतत ग्राहक विश्वास - ग्रासिम पल्प एंड फाइबर डिवीजन से 04 एसटीजी (3x32 मेगावाट विलायत के लिए एवं हरिहर के लिए 1x20 मेगावाट हरिहर के लिए); रिलायंस से 2x फ्रेम 6 बी जीटीजी तथा आईओसीएल, वड़ोदरा से छठा फ्रेम 6 बी जीटीजी
- थर्मेक्स, सीमेन्स तथा अनसाल्डो से कड़ी प्रतिस्पर्धा में कृभको से **प्रथम फ्रेम 6 एफए जीटीजी पर आधारित कोजेन संयंत्र का आर्डर** - बीएचईएल के लिए यह वृद्धित पावर आउटपुट के लिए चिलर के साथ पहला जीटी आर्डर भी है
- एनएमडीसी से नगरनार, छत्तीसगढ़ में स्थापित किए जा रहे उनके 3 एमटीपीए इंटिगरेटिड स्टील प्लांट के लिए **कच्चे माल की हैडलिंग के लिए 1395 करोड़ रूपये का सबसे बड़ा सिंगल आर्डर प्राप्त किया**
- आईसीएफ से 25 केवी एसी के 85 ईएमयू (कन्व.) सेटों का **सबसे बड़ा सिंगल आर्डर** तथा रेलवे बोर्ड से व्हील एवं एक्सेल एसेम्बली के 870 सेटों का आर्डर प्राप्त किया
- **ओएनजीसी से आधुनिक 6 एसी ड्रिलिंग रिग्स का प्रमुख आर्डर प्राप्त किया** जो 18 वर्ष के अंतराल के बाद मिला है । एसी ड्राइव सहित रिगें विश्व में नवीनतम उत्पाद है क्योंकि एसी मोटरों के उच्च पावर फैक्टर के कारण रिगों का प्रचालन अधिक कुशल हो जाता है
- सीएचपी/एएचपी स्पलायरों से 217 मोटरों

के लिए मोटरों के रिकार्ड आर्डर तथा मानिकगढ़ सीमेंट से 980-6500 किलोवाट क्षमता की 15 मोटरों का आर्डर। वस्तुत: औद्योगिक मोटर व्यवसाय में 9 नए ग्राहक जोड़े, जिससे व्यवसाय पहुंच में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है

- कड़ी प्रतिस्पर्धा में पीजीसीआईएल से रायचूर में 765/400 केवी सबस्टेशन, 400/220 केवी, औरंगाबाद सबस्टेशन और 400 केवी वर्धा सबस्टेशन एक्सटेंशन पैकेज के आर्डर मिले। 765/400 केवी सबस्टेशन के आर्डर मिलने से 765 केवी सबस्टेशन खंड में बीएचईएल के प्रवेश का मार्ग प्रशस्त हुआ है ।
- एनपीसीआईएल से केएपीपी एवं आरएपीपी न्यूक्लियर विद्युत संयंत्रों के लिए 285 एमवीए, 400 केवी क्षमता के 14 जेनरेटर ट्रांसफार्मरों का आर्डर मिला ।
- पीएसटीसीएल से 100 एमवीए, 220/66 केवी क्षमता के 28, 160 एमवीए 220/66 केवी रेटिंग के 12 पावर ट्रांसफार्मरों तथा 160 एमवीए 220/132 केवी क्षमता के 19 ऑटो ट्रांसफार्मरों का आर्डर तथा एमपीपीटीसीएल से 132 केवी क्षमता के 32 ट्रांसफार्मरों का आर्डर प्राप्त किया ।
- प्रतिस्पर्धा के माध्यम से एनटीपीसी में बसडक्टों की आपूर्ति में सफलता । बीएचईएल ने एनटीपीसी की मौदा, शोलापुर और नबीनगर 660 मेगावाट परियोजनाओं के लिए बसडक्ट के 07 सेटों का आर्डर प्राप्त किया ।

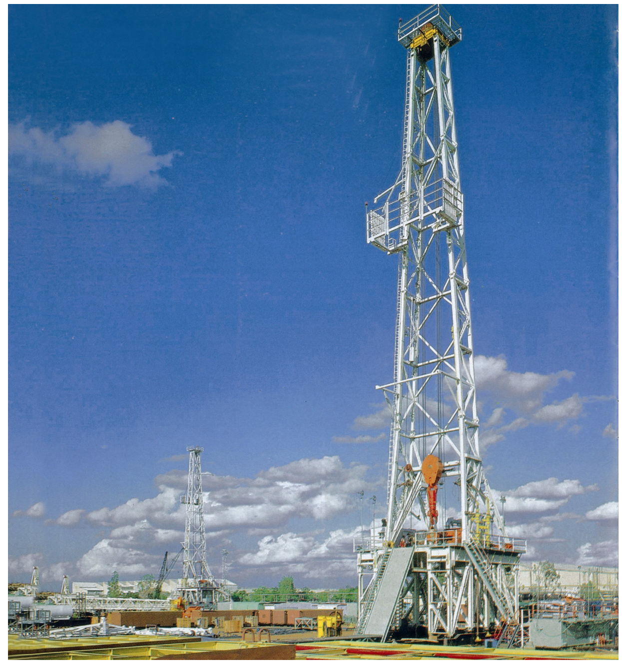
ऑनशोर एसी ड्रिलिंग रिग्स

- **अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय** में वर्ष 2011-12 ने विश्व के विभिन्न भागों में अप्रत्याशित अशांति देखी है, जिससे बीएचईएल के अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय की संभावनाओं पर असर पड़ा है । यूरोप में व्यापक वित्तीय अस्थिरता और मध्य पूर्व तथा उत्तरी अफ्रीका (एमईएनए) क्षेत्र में राजनीतिक परिवर्तनशीलता से वित्तीय समापन तथा परियोजना वित्त पोषण में देरी हुई जिसके कारण नई परियोजनाओं को अंतिम रूप देना स्थगित हो गया है । एमईएनए क्षेत्र में हाल ही की राजनीतिक एवं नागरिक अशांति तथा बढ़ते हुए सुरक्षा सरोकार से हमारे पारम्परिक बाजारों में व्यवसाय संभावनाएं प्रभावित हुई हैं । ऐसे कठिन और अनिश्चित रूख के बाद भी बीएचईएल ने अपने अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय की मात्रा बनाए रखने में सतत प्रयास किए हैं । हालांकि जिन निश्चित बड़े आर्डरों को वर्ष के दौरान अंतिम रूप दिया जाना था, उनमें देरी हो गई है । समन्वित प्रयासों से विश्व के देशों से प्राप्त आर्डरों से अपनी पहचान कायम रखने में मदद मिली है ।

अंतर्राष्ट्रीय व्यवसाय में प्राप्त महत्वपूर्ण ऑर्डरों में शामिल है :

- **यूक्रेन - नए बाजार में प्रवेश** - बीएचईएल ने आर्सेलर मित्तल ग्रुप से 27 मेगावाट स्टीम टरबाइन जेनरेटर (एसटीजी) पैकेज का आर्डर प्राप्त करके पहली बार यूक्रेन में प्रवेश किया है । बीएचईएल ने 15 वर्ष के अंतराल के बाद यूरोपीय देश से स्टीम टरबाइन का आर्डर प्राप्त किया । इस ऑर्डर से सीआईएस बाजार व्यवसाय में नए अवसरों का मार्ग खुला है ।
- **ट्रांसफार्मरों का सबसे बड़ा सिंगल ऑर्डर** - बीएचईएल ने पुनतसंगच्छू-I हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट, भूटान के लिए ट्रांसफार्मरों का सबसे बड़ा सिंगल निर्यात ऑर्डर प्राप्त किया ।
- **6x170 मेगावाट पुनतसंगच्छू - II हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट, भूटान के लिए आशय पत्र प्राप्त हुआ है ।**
- **कीनिया से मोटरों के लिए रीपीट ऑर्डर** - वर्तमान ग्राहकों का विश्वास जीतते हुए बीएचईएल ने मोम्बासा सीमेंट लिमिटेड, कीनिया से 2500 किलोवाट तथा 1400 किलोवाट क्षमता की स्लिप रिंग इंडक्शन मोटरों की आपूर्ति के लिए रिपीट ऑर्डर प्राप्त किया है ।
- **वर्तमान बाजार में नया उत्पाद - जोर्जिया से वैलहैडस** - पहली बार सीआईएस बाजार से वैलहैडस के लिए एक ऑर्डर प्राप्त हुआ है । जोर्जिया से वैलहैडस के लिए मिला यह पहला निर्यात ऑर्डर है और यह जिंदल पेट्रोलियम ऑपरेटिंग कंपनी से मिला है । इससे सी आई एस बाजार में ऑयलफील्ड उपस्करों के लिए बीएचईएल के व्यवसाय की संभावनाओं में वृद्धि होगी ।
- **विश्व के 21 देशों में पहचान सुदृढ़ हुई** - अन्य उत्पादों के लिए प्राप्त ऑर्डरों में इंडोनेशिया से 15 मेगावाट के एसटीजी के पुनरूद्धार, इराक से ट्रांसफार्मरों, बांग्लादेश, यमन एवं नाइजीरिया में मोटरों, तथा संयुक्त अरब अमीरात से सूट ब्लोवरों के ऑर्डर शामिल हैं ।
- **विक्रय उपरांत सेवा पर सतत ध्यान देने से स्पेयर्स एवं सेवाओं के ऑर्डर - विश्व के विभिन्न देशों से मिले हैं** । इनमें आस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, भूटान, जोर्जिया, इंडोनेशिया, इराक, कजाकस्तान, मलेशिया, माल्टा, ओमान, सउदी अरब, श्रीलंका, संयुक्त अरब अमीरात, संयुक्त राज्य अमेरिका, वियतनाम और यमन शामिल हैं ।

ओमान में पीडीओ अमल साइट

स्ट्राटैजिक व्यवसाय पहल

स्ट्राटेजिक गठबंधन

पारस्परिक लाभप्रद स्ट्राटैजिक गठबंधनों द्वारा अधिकतम व्यवसाय के उददेश्य से बीएचईएल ने वर्ष के दौरान निम्नलिखित गठबंधन किए है:

- कर्नाटक पावर कॉर्पोरेशन लिमिटिड (केपीसीएल) के साथ बीएचईएल की संयुक्त उद्यम कंपनी अर्थात रायचूर पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने नवम्बर, 2011 में 2x800 मेगावाट येरामारस विद्युत संयंत्र का वित्तीय समापन किया है । इस इक्विटी में केपीसीएल का अंशदान 50 प्रतिशत बीएचईएल का 26 प्रतिशत और आईएफसीआई का 24 प्रतिशत है । ऋण की व्यवस्था पीएफसी और कमर्शियल बैको के सहसंघ से की है । इस जेवीसी ने मुख्य संयंत्र उपस्कर का ऑर्डर बीएचईएल के पहले ही दे दिया है ।

- विदेशी व्यवसाय बढ़ाने मे सहयोग के लिए एचएमटी (इंटरनेशनल) लिमिटेड के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं ।

- इंडोनेशिया में 2x200/2x250 मेगावाट कोल फायर्ड स्टीम संयंत्र लगाने के लिए पीटी मेगा उरिप पेसोना, इंडोनेशिया के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए है ।

- दक्षिणी सूडान में ईपीसी आधार पर 4x70 मेगावाट थर्मल विद्युत संयंत्र के लिए दक्षिण सूडान सरकार के साथ एक समझौता ज्ञापन हस्ताक्षर किए गए हैं ।

- बीएचईएल ने पलवराइजरों में प्रयुक्त गीयर बाक्सों के लिए इंटरनल्स की आपर्ति हेतु मैसर्स वेल्टर जाहनराड गैम्भ, जर्मनी के साथ समझौता ज्ञापन किया है ।

क्षमता वृद्धि और परिसम्पत्ति का आधुनिकीकरण

- बीएचईएल ने विनिर्माण इकाइयों और विद्युत परियोजना साइटों में निर्माण क्षमता में वृद्धि और सुविधाओं के आधुनिकीकरण पर वर्ष 2011-12 के दौरान **1,068 करोड रूपए** की पूंजी का निवेश किया है ।
- **76 करोड़ रूपए** के अतिरिक्त निवेश के माध्यम से वर्तमान सुविधाओं के कार्यजीवन परिशुद्धता और उत्पादकता को बढ़ाने के लिए इनके पुननिर्माण और रेट्रोफिटिंग पर विशेष ध्यान दिया है ।

श्री प्रफुल्ा पटेल बीएचईएल, भोपाल में आधुनिक विद्युत मशीन शॉप का उदघाटन करते हुए

- XI वीं योजना अवधि (2007-12) में बीएचईएल ने Xवीं योजना के 1092 करोड़ रूपए की तुलना में **6,246 करोड रूपए** का पूंजी निवेश किया है जो पिछली योजना की तुलना में 6 गुना अधिक हे । इस अवधि के दौरान बीएचईएल ने :

  - 6000 मेगावाट से बढ़ाकर 20,000 मेगावाट के विद्युत संयंत्र उपस्कर डिलीवर करने की क्षमता में वृद्धि कर ली है
  - 3 नए संयंत्र यथा केन्द्रीकृत स्टैम्पिंग यूनिट, जगदीशपुर, नया फेब्रिकेशन संयंत्र, जगदीशपुर में और तिरूमयम में विद्युत संयंत्र पाइपिंग इकाई स्थापित की है

- प्रतिवर्ष 30 से बढ़ाकर 50 एसी लोको के निर्माण क्षमता में वृद्धि की है
- ट्रांसफार्मर निर्माण क्षमता को 23,500 एमवीए से बढ़ाकर 45,000 एमवीए प्रतिवर्ष कर ली है

अक्षय ऊर्जा पर ध्यान

- बीएचईएल संधारणीय आधार पर अक्षय ऊर्जा पर आधारित उत्पादों का विकास एवं संवर्धन करने के राष्ट्रीय प्रयास में योगदान कर रहा है । वर्ष के दौरान कंपनी ने देश के विभिन्न भागों में एक वर्ष में 15 मेगावाट पी के सोलर विद्युत संयंत्र लगाकर अपने सोलर टोवोल्टेईक (पीवी) व्यवसाय में एक नया रिकार्ड बनाया है, इसमें 5 मेगावाट पी आईओसीएल, फलौदी, 3 मेगावाट पी केपीएल रायचूर, 2 मेगावाट पी इंडिया बुल पावर लिमिटेड, कटोल और 1.185 मेगावाट पी लक्षद्वीप शामिल हैं । ये परियोजनाएं क्रिसटललाइन सिलिकॉन फोटोवोलटेइक (पीएसआईपीवी) प्रौद्योगिकी पर आधारित हैं जो विश्व में सुप्रमाणिक हैं और इसे अधिकतम प्रचालन का अनुभव है ।

देश की सबसे बड़ी 760 केडब्ल्यूपी क्षमता की डीजल ग्रिड इंटरएक्टिव एसपीवी जिसे बीएचईएल ने लक्षद्वीप में कमीशन किया है

- राष्ट्रीय स्वच्छ कोयला प्रौद्योगिकी मिशन के तत्वाधान में बीएचईएल, आईजीसीआर, एनटीपीसी और अन्य संगठनों के सहयोग से 700 डिग्री सेंटीग्रेड के एमएस/आरएएच तापमान तथा 300 एटीए के एम एस प्रेशर वाले उन्नत अल्ट्रा सुपरिक्रिटिकल संयंत्रों का विकास कर रहा है । एक बार प्रचालनीय होने पर ऐसे संयंत्र भारतीय वातावरण स्थितियों में 45 प्रतिशत से अधिक की कुशलता पर चलेंगे
- संघनित सोलर पावर (सीएसपी) क्षेत्र में संयुक्त विकास कार्य के लिए आईओसीएल एवं आईआईटी-राजस्थान के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं । इस संयुक्त प्रयास के अन्तर्गत विकसित उत्पादों एवं प्रणालियों का परीक्षण एवं प्रदर्शन सोलर फील्ड में किया जायेगा जिसे जोधपुर में बनने वाले आईआईटी-राजस्थान के कैंपस में बनाया जाएगा ।
- कई पर्यावरण सुधार परियोजनाएं (ई आर पी) पूरी करके बीएचईएल ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता सतत रुप से बनाए रखी है । इन परियोजनाओं से ऊर्जा, जल, ईंधन, तेल, कूलेंट, लुब्रिकेंट जैसे कीमती संसाधनों के पर्यावरण संरक्षण और पर्यावरण प्रदूषण को कम करने में सहायता मिलेगी । प्रमुख पर्यावरण सुधार परियोजनाओं में यूनिटों/साइटों और उनके आस-पास वृक्षारोपण, वर्षा जल संचयन परियोजनाएं, ऊर्जा एवं संसाधन संरक्षण परियोजनाएं, अपारंपरिक ऊर्जा संसाधनों का उपयोग, ध्वनि स्तर में कमी प्रणाली, रसायन भडांरण एवं हैडलिंग प्रणाली आदि शामिल हैं ।

प्रचालनात्मक उपलब्धियां

परियोजना कमीशनिंग

- बीएचईएल ने अभी तक की सबसे अधिक कुल मिलाकर **8410 मेगावाट** के यूटिलीटी कमीशन की हैं, इसमें **8138 मेगावाट** का क्षमता विस्तार (पिछले वर्ष से 29 प्रतिशत अधिक) तथा **272 मेगावाट** सिक्रोनाइज शामिल हैं और क्षमता विस्तार के लिए यूटिलिटी से अनुमति की प्रतीक्षा है । इसके अतिरिक्त बीएचईएल ने देश में **535 मेगावाट** के कैप्टिव/औद्योगिक सेट तथा विदेशी बाजारों में **325 मेगावाट** कमीशन किए हैं । कुल मिलाकर वर्ष के दौरान कुल **9270 मेगावाट** की कमीशनिंग/सिक्रोनाइजिंग की गई है ।
- महत्वपूर्ण रूप से 24 घंटों में देश में फैले विभिन्न विद्युत स्टेशनों की **1,625 मेगावाट** संचयी क्षमता के थर्मल एवं हाइड्रो सेट यूनिटें कमीशन की गई ।
- 11 वीं योजना अवधि में बीएचईएल ने 10वीं योजना अवधि के **13,613 मेगावाट** की तुलना में **25,385 मेगावाट** के युटिलिटी सेटों को कमीशन किया है ।
- बीएचईएल द्वारा सप्लाई किए यूटीलिटि सेटों की स्थापित क्षमता से पूर्व **एक लाख मेगावाट** से बढ़कर **1,06,202 मेगावाट** हो गई है और बीएचईएल ने देश की **1,80,713** मेगावाट की कुल स्थापित क्षमता में अपना प्रमुख हिस्सा बनाए रखा है ।
- एनटीपीसी सिमाहद्री यूनिट 4 को फुल लोड ऑपरेशन सिक्रोनाइजेशन के 6 घंटे के भीतर प्राप्त कर लिया जो बीएचईएल के उपस्करों की विश्वसनीयता और कमीशनिंग प्रवीणता को दर्शाता है ।
- टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड के लिए टीएचडीसी के कोटेश्वर स्थित पावर स्टेश्ान में बाढ़ आ जाने के बावजूद भी 100 प्रतिशत लक्षित्त क्षमता विस्तार 11वीं योजना के दौरान प्राप्त कर लिया गया ।

जीजीएस रिफाइनरी में बीएचईएल द्वारा कमीशन किया गया 153 मेगावाट कैप्टिव विद्युत संयंत्र

- बीएचईएल ने 11वीं योजना के लक्ष्यों के प्रति थर्मल एवं हाइड्रो दोनों परियोजनाओं के लिए निजी क्षेत्र में 100 प्रतिशत कमीशनिंग प्राप्त कर ली है ।
- एनएलसी के लिए नेइवैली में स्थापित भारत के सबसे बड़े 250 मेगावाट का सीएफबीसी बॉयलर ने लिग्नाइटका उपयोग करके फुल लोड ऑपरेशन प्राप्त कर लिया है । कमीशनिंग करने के बाद कमर्शियल ऑपारेशन के लिए ग्राहक को सौंप दिया है ।
- इसके अलावा एनएलसी के लिए 125 मेगावाट के दो सीएफबीसी बॉयलर बरसिंगसर में लगाए गए हैं, जिन्हें पलाना लिग्नाइट का उपयोग करके चलाया जा रहा है, जिसमें अधिक सिकुडन वाली राख का गुण है ।

नईवेली में 250 मेगावाट सीएफबीसी बॉयलर - यह भारत तथा दक्षिण एशिया में अपने प्रकार का सबसे बड़ा है

- वर्ष के दौरान बीएसईजीएल के हजीरा (351 मेगावाट) गुजरात परियोजना में बीएचईएल के

प्रथम फ्रेम-9 गैस एफ ए टरबाइन आधारित कबांइडं साइकिल पावर प्लांट (सीसीपीपी) कमीशन किया गया है । इसके बाद पीपीसीएल की प्रगति -III (750 मेगावाट - माड्यूल 1) दिल्ली में 2x फ्रेम-9 एफ ए सीसीपीपी कमीशन किया गया है ।

- बीएचईएल ने वर्ष के दौरान पिछले वर्ष के 8 सेटों की तुलना में 500 मेगावाट के 13 सेट कमीशन किए हैं ।
- बीएचईएल ने एनटीपीसी की 490 मेगावाट की राष्ट्रीय राजधानी थर्मल विद्युत परियोजना दादरी यूनिट-5 की सप्लाई करके उसे कमीशन कर दिया हे , जिसे शीघ्र पूरा करने पर भारत सरकार का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला हे ।

बीएचईएल द्वारा एनसीटीपीपी दादरी की कमीशन की गई 490 मेगावाट (यूनिट 5) शीघ्र पूरा करने पर इसे भारत सरकार का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है

- बीएचईएल ने परिष्कृत ओडीसी कनसांइनमेंट के सुरक्षित परिवहन के लिए एक मल्टी-मोडाल लोजिस्टिक प्रणाली स्थापित की है ।

2X525 मेगावाट राइटबैंक मैथान परियोजना

कमीशन की गई प्रमुख परियोजनाओं में शामिल है :

- 2x525 मेगावाट यूनिट 1 एवं 2 मैथन पावर लिमिटेड के लिए
- 2x500 मेगावाट यूनिट 1 एवं 2 डीजीवी दुर्गापुर के लिए
- 1x500 मेगावाट ऐपीजेनको कोठगुडम के लिए
- 1x500 मेगावाट केपीसीएल बेल्लारी-2 के लिए
- 2x500 मेगावाट यूनिट 4 एवं 5 एमएसपीजीसीएल भुसावल के लिए
- 1x500 मेगावाट एपीसीएल झज्जर के लिए
- 1x500 मेगावाट एमएसपीजीसीएल खापरखेड़ा के लिए
- 1x500 मेगावाट

- 2x100 मेगावाट हाइड्रो सेट, टीएचडीसी, कोटेश्वर के लिए
- 1x37 मेगावाट, एपीजीएल, लाकवा के लिए
- 2x126 मेगावाट जीटीजी, ओमान में
- 1x63 मेगावाट हाइड्रो सेट, ताइवान में
- 2x5 मेगावाट हाइड्रो सेट, नेपाल में
- 153 मेगावाट सीसीपीपी, जीजीएसआर भटिंडा के लिए
- 1x50 मेगावाट फाकोर पावर के लिए
- 1x48 मेगावाट एसटीजी इंडिया सीमेंट के लिए

यूनिट -1 डीवीसी कोडरमा -1 के लिए • 1x250 मेगावाट यूनिट 6 डल्यूबीपीडीसीएल संतालडीह के लिए • 1x250 मेगावाट यूनिट-8 यूपीआर वीयूएनएल हरदुआ गंज के लिए • 1x250 मेगावाट यूनिट-1 एनएलसी नेइवेली टीएस-2 विस्तार के लिए • 351 मेगावाट सीसीपीपी, जीएसईजीएल हजीरा के लिए • 1x250 मेगावाट एसटीजी-1 पीपीसीएलसीएल, प्रगति के लिए • 1x500 मेगावाट यूनिट-1 एनटीईसीएल वैल्लूर के लिए • 1x500 मेगावाट-4 एनटीपीसी, सिम्हाद्री के लिए	• 1x33 मेगावाट एसटीजी, जीएनएफसी के लिए 1x28 मेगावाट एसटीजी, सिरूगुप्पा शुगर एवं केमीकल्स के लिए । • 1x25 मेगावाट एसटीजी एसीसी वाडी के लिए • 1x20 मेगावाट एसटीजी बसई स्टील के लिए • 1x17.5 मेगावाट एसटीजी, मारूति सुजकी के लिए • 1x80 मेगावाट एसटीजी, मोनेट इस्पात के लिए • 1x60 मेगावाट एसटीजी माइहोम इंडस्ट्रीज के लिए • 1x20 मेगावाट एसटीजी सीपीसीएल, चैन्नई के लिए

उपस्कर निष्पादन

- देश में थर्मल सेटों द्वारा कुल उत्पादित 612 बिलियन यूनिटों में से लगभग 75 प्रतिशत का योगदान बीएचईएल द्वारा सप्लाई किये गये सेटों ने किया है । इसी प्रकार देश में हाइड्रो सेटों द्वारा किये गये उत्पादन में से 42 प्रतिशत और देश में न्यूक्लियर सेटों द्वारा किये विद्युत उत्पादन में से **66** प्रतिशत योगदान बीएचईएल के सेटों ने किया है ।
- बीएचईएल निर्मित 200-500 मेगावाट थर्मल सेट, जो देश की थर्मल उत्पादन की रीड की हडडी है, उनका पीएलएफ और ओए क्रमश: **79** प्रतिशत तथा **89** प्रतिशत रहा है । इनमें से 14 स्टेशनों ने **90** प्रतिशत से अधिक का पीएलएफ प्राप्त किया प्राप्त किया है (बज-बज, दहानु, अमरकंटक, लेहरामोहब्बत भटिंडा) आदि ।
- पिछले 5 वर्षो 500 मेगावाट थर्मल सेटों की सतत उपलब्धता **90** प्रतिशत से अधिक रही ।
- 152 बीएचईएल कोयला आधारित सेटों ने 90 प्रतिशत से अधिक ओए प्राप्त किया ।
- बीएचईएल द्वारा सप्लाई किए गये कोयला आधारित 221 सेटों ने वर्ष के दौरान 90 दिन से अधिक 24 घंटे निर्बाध ऑपरेशन किया । इनमें से 47 सेट 90 दिन से अधिक दो बार चले और 14 सेट लगातार 200 दिन से अधिक चले ।
- बीएचईएल न्यूक्लियर सेटों ने 2010-11 में **82.7** प्रतिशत की ओए तथा **63.2** प्रतिशत के पीएलएफ तुलना में वर्ष 2011-12 में **90.9** प्रतिशत की ओए तथा **76.1** प्रतिशत का पीएलएफ प्राप्त किया ।
- बीएचईएल उपस्करों के साथ 10 न्यूक्लियर सेट वर्ष के दौरान लगातार 90 दिन से अधिक चले ।
- 12 में से 9 पावर स्टेशनों और 13 में 10 पावर स्टेशनों को क्रमश: 2009-10 तथा 2010-11 में शानदार निष्पादन के लिए भारत सरकार का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला है, उनमें बीएचईएल के उपस्कर लगे हुए हैं । इससे

बीएचईएल उपस्करों की विश्वसनीयता और गुणवत्ता प्रबलित होती है ।

ग्राहक केन्द्रित सेवाएं

- बीएचईएल ने निर्बाध विद्युत आपूर्ति को सुगम बनाने तथा विद्युत संयंत्रों को अच्छी चालू हालत मे रखने के उददेश्य से तत्काल और दक्ष ग्राहक सेवा उपलब्ध कराने हेतु अपनी प्रतिबद्धता पर पुन: बल दिया हे । वर्ष के दौरान बीएचईएल ने **140 थर्मल** यूटीलिटी /कैप्टिव सेटों की ओवरहालिंग की है ।
- ग्राहक के आपात बुलावे पर बीएचईएल ने भूटान में चुखा हाइड्रो इलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट (एचईपी) की यूनिट-1 की पुन: स्थापना का कार्य युद्धस्तर पर करके मात्र 19 दिन में पूरा किया । ताला एचईपी की यूनिट-1 एवं 2 के महत्वपूर्ण उपकरणों को बदलने का कार्य ग्राहक की संतुष्टि करते हुए पूरा किया गया ।
- देवीघाट एचईपी, नेपाल (3x5 मेगावाट) का पुनरुद्धार अनुसूचित योजनाबद्ध लगभग 270 दिनों के बदले 247 दिनों मे सफलतापूर्वक पूरा किया गया।
- चुनौतीपूर्ण स्थितियों के बाद भी, बीएचईएल ने अफगानिस्तान में 200/110 केवी काबुल सबस्टेशन को रिकार्ड समय में स्थापित करने का कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया । इसके लिए ग्राहक से प्रशंसा पत्र प्राप्त हुआ है ।
- ग्राहक यूजेवीएन लिमिटेड ने चिल्ला पावर हाउस के वार्षिक अनुरक्षण गतिविधि की सराहना की, क्योंकि पहली इकाई की गतिविधि समय पर पूरी की गई और अन्य दो योनिटों की समय से पहले पूरी कर दी, जिसके परिणामस्वरूप सफलतापूर्वक फुल लोड आपरेशन प्राप्त कर लिया गया।
- बीएचईएल ने जोजोबेरा यूनिट -1,2 एवं 3 में आइसोलेशन लॉजिक विकसित करके उसको कमीशन किया जिससे किसी भी व्यवधान मे दीवीसी ग्रिड मे टाटा स्टील की आंतरिक ग्रिड का बार-बार बंद हो जाना रोका जा सके।

प्रौद्योगिकी एवं नवप्रवर्तन

बीएचईएल नव नवप्रवर्तन और सृजनात्मक विकास पर अधिक बल देता है । कंपनी के अनुसंधान एवं विकास प्रयासों का उददेश्य वर्तमान उत्पादों के निष्पादन और कुशलता में न केवल सुधार करना है बल्कि देश की आवश्यकता के अनुरूप आधुनिक प्रौद्योगिकियों और प्रक्रियाओं का उपयोग करके नए उत्पादों को विकसित करना है ताकि प्रौद्योगिकी एवं विशेषताओं के संदर्भ में तथा वैश्विक बैचमार्क में अपनी वर्तमान स्थिति बनाए रखी जा सके ।

- बीएचईएल ने भारत सरकार द्वारा घोषित नवप्रवर्तन दशक (2010-2021) के अनुरूप जोरदार आंतरिक प्रयास किए हैं और नव प्रवर्तन को प्रोत्साहित किया है । इसके परिणामस्वरूप कंपनी अनुसंधान एवं विकास निवेश में पिछले वित्तीय वर्ष के 1162 करोड़ रूपए की तुलना में 18 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है और आंतरिक रूप से विकसित उत्पादों और सेवाओं से कुल कारोबार में 22 प्रतिशत की सहयुक्त वृद्धि रिकार्ड दर्ज की गई , जिससे 9,513 करोड रूपए का कारोबार हुआ जो कंपनी के कुल कारोबार का लगभग 19.3 प्रतिशत है ।
- बीएचईएल ने वर्ष में सबसे अधिक पेटेन्ट और कापीराईट फाइल किए है, जिससे कंपनी की बौद्धिक क्षमता बढ़कर 1786 पेटेन्ट/कापीराइट की हो गई है, और इनका कंपनी के व्यवसाय में उत्पादनकारी उपयोग होता है ।
- केन्द्रित क्षेत्रों में आधुनिक सुविधाओं तथा विशेषज्ञ कर्मचारियों के साथ उन्नत अनुसंधान एवं विकास गतिविधियों को सहयोग प्रदान

करने के लिए, बीएचईएल ने 13 उत्कृष्टता केन्द्र स्थापित किए हैं । ये केन्द्र नए उत्पादों, प्रक्रियाओं, डिजाइन में सुधारों के लिए विश्लेषणात्मक टूल्स का विकास करने, वर्तमान उत्पादों की कुशलता बढ़ाने और तथा औद्योगिक एवं रणनीतिक उपयोगों के लिए नए उत्पादों और प्रणालियों को विकसित करने की कंपनी की एवं राष्ट्रीय अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए ध्यान केन्द्रित कर रहे हैं । वर्ष के दौरान, बीएचईएल ने निम्नलिखित क्षेत्रों में 4 नए उत्कृष्टता केन्द्र स्थापित किए है:-

- उन्नत फेब्रिकेशन प्रौद्योगिकी
- कोयला अनुसंधान केन्द्र
- नैनो प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग
- जीआईएस विकास हेतु यूएचवी लैब

नेनो प्रौद्योगिकी केन्द्र

- भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआइएस), बेंगलूर के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए है, जिसमें आईआईएससी के साथ सहयोग अनुसंधान में बीएचईएल की सहायता करने के लिए संयुक्त अनुसंधान अवसर के मुख्य क्षेत्र शामिल है । इसका उददेश्य नए उत्पादों, प्रणालियों और संकल्पनाओं के विकास और प्रदर्शन की गति को बढ़ाना है ।

वर्ष के दौरान कुछ महत्वपूर्ण विकासों में शामिल हैं:

- ग्राहकों को अत्यधिक समकालीन उत्पादों एवं प्रौद्योगिकियों को देने के अपने प्रयास के हिस्से के रूप में बीएचईएल ने पीजीसीआईएल के 1200 केवी राष्ट्रीय प्रयोगात्मक सबस्टेशन में 1200 केवी 333 एमवीए रेटिंग के भारत के सबसे अधिक वोल्टेज पावर ट्रांसफार्मर को सफलतापूर्वक घरेलू विकास, तैयार एवं उसका निर्माण करके कमीशन किया है । सिंगल फेस इंटर कनेक्टिंग ट्रांसफार्मर को विकसित करके आंतरिक इंजीयिनरी एवं निर्माण प्रौद्योगिकी से विनिर्माण किया है ।

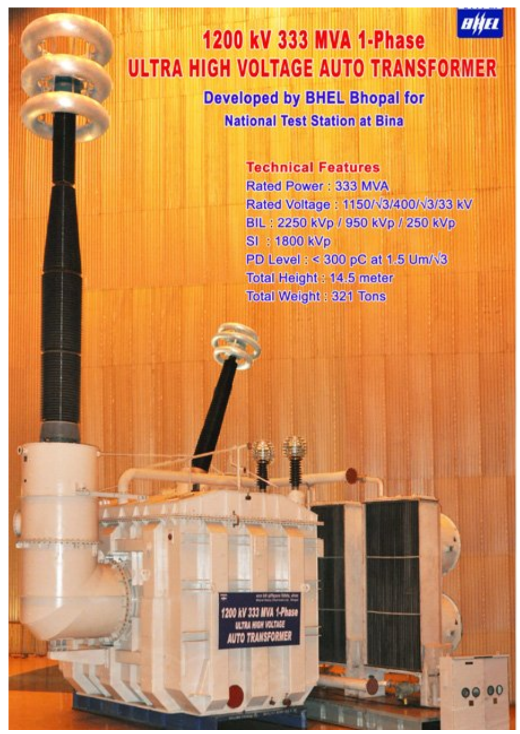

- बीएचईएल ने भारत का सबसे बड़ा 15 एमवीए, 33/6.9 केवी, 3 फेस, 50 Hz प्राकृतिक वायु कूल्ड ड्राई टाइप कास्ट रेजिन ट्रांसफार्मर का विकास किया है । यह नया ट्रांसफार्मर पारम्परिक ऑयल फिल्ड ट्रांसफार्मरों की तुलना में आग लगने के जोखिम से मुक्त और अनुरक्षण मुक्त है । इस ट्रांसफार्मर का उपयोग अल्ट्रामेगा सुपर थर्मल विद्युत परियोजना लिए कोयला निकालने हेतु ओपन कास्ट माइनों

में बड़े ड्रेजरों को बिजली सप्लाई करने में किया जाएगा ।

- देश के प्रथम प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर आधारित विद्युत परियोजना के लिए सुरक्षा की विभिन्न आवश्यकता को पूरा करने और संयंत्र के विश्वसनीय प्रचालन जैसे ओजीडीएचआर (ऑपरेशन ग्रेड डिके हीट रिमूवल सिस्टम) एसजीटीएसडीसी (स्टीम जेनरेटर टयूब साइड डिप्रेशराइजेशन सर्किट) , आदि हेतु पहली बार नई प्रणाली विकसित की गई है । प्रचालन के विभिन्न स्तरों हेतु इन महत्वूपर्ण उपप्रणालियों के विश्वसनीय एवं सुरक्षित प्रचालन को सुनिश्चित करने के लिए मैकेनिकल,इलेक्ट्रिकल एवं सी एंड आई डिजाइन को पूरा करने हेतु आंतरिक क्षमताओं का उपयोग किया गया है ।

- 660 मेगावाट सुपरक्रिटिकल विद्युत संयंत्रों में उपयोग के लिए मेन स्टीम स्टॉप वाल्व के लिए स्वदेशी डिजाइन एवं विनिर्माण क्षमता स्थापित की गई है । कम लागत वाले नए डिजाइन स्विंग चेक वाले नान-रिटर्न वाल्व का विकास भी किया गया है, जिससे 660 मेगावाट के सुपरक्रिटिकल बायलर के वाटर स्टोरेज डाउन कमर लाइन तथा 600 मेगावाट परियोजनाओं की इकॉनॉमाइजर इनलेट लाइन के लिए समेकित वाल्व खोलने के दौरान अप्रत्याशित प्रेशर सर्ज को सुनिश्चित किया जा सके ।

- देश के प्रथम प्रोटोटाइप फास्ट ब्रीडर रिएक्टर आधारित विद्युत परियोजना के लिए सुरक्षा की विभिन्न आवश्यकता को पूरा करने और संयंत्र के विश्वसनीय प्रचालन जैसे ओजीडीएचआर (ऑपरेशन ग्रेड डिके हीट रिमूवल सिस्टम) एसजीटीएसडीसी (स्टीम जेनरेटर टयूब साइड डिप्रेशराइजेशन सर्किट) , आदि हेतु पहली बार नई प्रणाली विकसित की गई है । प्रचालन के विभिन्न स्तरों हेतु इन महत्वूपर्ण उपप्रणालियों के विश्वसनीय एवं सुरक्षित प्रचालन को सुनिश्चित करने के लिए मैकेनिकल,इलेक्ट्रिकल एवं सी एंड आई डिजाइन को पूरा करने हेतु आंतरिक क्षमताओं का उपयोग किया गया है ।

- 660 मेगावाट सुपरक्रिटिकल विद्युत संयंत्रों में उपयोग के लिए मेन स्टीम स्टॉप वाल्व के लिए स्वदेशी डिजाइन एवं विनिर्माण क्षमता स्थापित की गई है । कम लागत वाले नए डिजाइन स्विंग चेक वाले नान-रिटर्न वाल्व का विकास भी किया गया है, जिससे 660 मेगावाट के सुपरक्रिटिकल बायलर के वाटर स्टोरेज डाउन कमर लाइन तथा 600 मेगावाट परियोजनाओं की इकॉनॉमाइजर इनलेट लाइन के लिए समेकित वाल्व खोलने के दौरान अप्रत्याशित प्रेशर सर्ज को सुनिश्चित किया जा सके ।

- सोलर पीवी प्रणाली की लागत में लगातार सुधार करने के प्रयास के रूप में बीएचईएल ने हायर आस्पेक्ट रेशो (ग्रिड लाइन उंचाई/ग्रिड लाइन चौड़ाई) प्राप्त करने के करने के लिए सोलर सैलों हेतु एक आप्टीमाइज्ड प्रिटिंग प्रक्रिया विकसित की है, जिससे अभी तक की सबसे अधिक 18 प्रतिशत की उच्च सोलर सैल परिवर्तित कुशलता के साथ-साथ 227 वाट से 240 वाट की वृद्धित पीवी माडयुल आउटपुट मिलेगी । बीएचईएल ने क्रिस्टललाइन सिलिकॉन सैलों के किनारों पर जक्शन को

हटाने के लिए अपनाई गई नई लेजर अधारित आइसोलेशन टेक्नीक का भी विकास किया है, इससे 99 प्रतिशत की वृद्धि और कुशलता में लाभ होगा ।

- इसरो के अंतरिक्ष कार्यक्रम में एक विश्वसनीय साझेदार के रूप में, बीएचईएल ने जीएसएटी -8 सैटेलाइट में अपने स्पेस ग्रेड सोलर पैनल को सफलतापूर्वक लगाया जो एक प्रमुख उल्लेखनीय उपलब्धि रही है । फ्रेंच गुयाना से छोड़ा गया इसरो का यह सेटेलाइट सबसे भारी सेटेलाइट था, जिसका वजन लिफट-ऑफ के समय लगभग 3100 किलोग्राम था । भारत का उन्नत संचार सेटेलाइट जीएसएटी-8 उच्च शक्ति का संचार सेटेलाइट है, जिसे इनसेट सिस्टम में शामिल किया जा रहा है । जीएसएटी-8 के लिए बीएचईएल द्वारा प्रयुक्त किए गए 4 सोलर पैनलों में से प्रत्येक को 5 वर्गमीटर स्थान मिलेगा, जो कुल मिलाकर लगभग 21वर्ग मीटर होगा और इसमें मल्टी-जंक्शन सोलर सैल तथा समानान्तर कम्बीनेशन भी शामिल होंगे, जिसकी कुल पावर क्षमता 4.5 किलोवाट होगी । बीएचईएल ने इसरो के विभिन्न सेटेलाइटों के लिए 221 वर्ग मीटर में लगने वाले 51 स्पेस ग्रेड सोलर पैनलों की सप्लाई की है, जिन्हें इनसेट 3ए, इनसैट 3ई, जीसैट 2, जीसैट 3, जीसैट 4, आईआरएसपी 5 और एडयुसैट सेटेलाइटों में लगाया गया है, जो अब कक्षा (ओरबिट) में है ।

- फेब्रिकेशन प्रक्रियाओं का आटोमेशन करने के अपने प्रयासों में बीएचईएल ने "बायफरकेट कंपोनेंट के निर्माण" हेतु वेल्डिंग प्रक्रिया का आटोमेशन कर दिया है, जिसका उपयोग फोसिल बॉयलरों के रिहीटर कॉयल्स और लो टेम्प्रेचर सुपर हीटर कॉयल्स (एलटीएसएच) में होता है । आटोमेटिड प्रक्रिया से उत्पापदकता बढ़ी है और दोष दर कम हुई है ।

- समकालीन प्रौद्योगिकी में बने रहने के लिए बीएचईएल ने कंट्रोल पैनलों में अनुरूपता तथा हयूमेन मशीन इंटाकेस साइड के लिए सी एंड आई प्लेटफार्म पर अत्याधुनिक आईईसी 61850 प्रोटोकोलको कार्यान्वित किया है, जो हाइड्रो विद्युत संयंत्रों में विभिन्न थर्ड पार्टी आईईडी (इंटेलीजेंट इलेक्टानिक डिवाइस) के सटीक एकीकरण में सहायक होता है ।

- उन्नत उत्पाद जीवन के रूप में ग्राहकों को लाभान्वित करने के लिए एक नई कम लागत की "कोल नोजल टिप्स हेतु सेरामिक लाइनर्स का भारत में पहली बार विकास किया गया है , जिसमें बेहतर थर्मल शॉक रेसिस्टेंस होता है । इन लाइनरों से नोजल टिप्स के उपयोग की अवधि बढ़ी है और इन्हें 660/800 मेगावाट के सुपरक्रिटिकल विद्युत संयंत्रों में भी लगाया जाएगा ।

मानव संसाधन

कार्यबल एवं प्रतिभा प्रबंधन

- बदलती हुई बाजार की अपेक्षाओं के अनुरूप बीएचईएल के कर्मचारियों के ज्ञान और कौशल में लगातार उन्नयन (अपग्रेड) किया जाता है । वर्ष के दौरान प्रत्येक कर्मचारी के लिए **15.10** मानक दिवस के विभागीय कार्यक्रम आयोजित किए गए । इसके अलावा 1916

ग्राहक कर्मचारियों को विभिन्न इकाइयों में प्रशिक्षित किया गया ।

भारत के माननीय प्रधानमंत्री बीएचईएल से श्रम पुरस्कार विजेताओं के साथ

- जन शक्ति में आवश्यकता एवं समय के अनुरूप वृद्धि की जा रही है । वर्ष 2011-12 में 4,**771** व्यक्तियों की भर्ती की गई है । इसको मिलाकर बीएचईएल ने पिछले 5 वर्षों में विभिन्न स्तरों पर **20,000** अधिक व्यक्तियों की भर्ती की है ।

- प्रतिभा प्रबंधन में, वर्ष के दौरान सक्षमता निर्धारण पर बल दिया गया । वरिष्ठ नेतृत्व के लिए, बीएचईएल की नेतृत्व सक्षमता ढांचे पर आधारित नेतत्व सक्षमता निर्धारण हेतु विकासपरक केन्द्र आयोजित किए गए । महाप्रबंधक एवं अपर महाप्रबन्धक स्तर के लगभग 160 वरिष्ठ कार्यपालकों को इस प्रयोग में शामिल किया गया । निर्धारण के आधार पर सक्षमता में अंतर की पहचान कर ली गई है और इन अंतरों को समाप्त करने के लिए व्यक्तिगत विकास योजनाएं बनाई गई हैं । इसके अलावा साइकोमैट्रिक टूल का उपयोग करके लगभग 900 कनिष्ठ और मध्यम स्तर के कार्यपालकों की क्षमता का निर्धारण किया गया, जिसके आधार पर विकास क्षेत्रों की पहचान की गई हे । इससे आगे बढ़ते इए निर्धारण आकड़ों का उपयोग कैरियर और उत्तरवर्तन (साक्सेशन) नियोजन प्रक्रियाओं में भी किया जाएगा ।

- कर्मचारी प्रतिबद्धता को मापने और उसमें सुधार करने के लिए कर्मचारी कार्यव्यवस्तता सर्वेक्षण कराया गया, जिसमें विभिन्न मानव संसाधन प्रक्रियाओं में सुधार के क्षेत्रों का पता चला है । इन क्षेत्रों पर ध्यान देने के कार्य योजनाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है ।

- औद्योगिक संबंध सौहार्दपूर्ण बने रहे, जिससे उत्पादन और उत्पादकता में योगदान मिला । शीर्ष स्तरीय द्विपक्षीय मंच " संयुक्त समिति " के माध्यम से वर्ष के दौरान प्रतिभागी संस्कृति पर बल दिया गया ।

<u>कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तदायित्व</u>

- बीएचईएल एक प्रतिबद्ध कॉर्पोरेट नागरिक है, जो अपनी व्यावसायिक रणनीति के अटूट हिस्से के रूप में व्यवसाय और कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के बीच सिनर्जी का निर्माण करने की आवश्यकता के प्रति पूरी तरह से जागरूक है । इसके हिस्से के रूप में बीएचईएल ने वर्ष के दौरान विनिर्माण संयंत्रों और देश भर में फैली हुई परियोजना साइटों के आस-पास स्थित गांवों और समुदायों में शिक्षा, रहने की स्थितियों में सुधार, स्वास्थ्य और साफ सफाई को बढ़ावा देने के लिए समाज-आर्थिक एवं सामुदायिक विकास कार्यक्रम चलाए ।

सीएसआर पहल के हिस्से के रुप में बीएचईएल द्वारा वित्तपोषित मिड डे मील वैन

- सिक्किम में भूकंप से नष्ट हुए क्षेत्रों में पीड़ित लोगों की सहायता करने के लिए बीएचईएल ने उनकी कठिनाइयों को कम करने के लिए अपना विनम्र योगदान दिया है ।

- बीएचईएल ने सीएसआर पर संयुक्त राष्ट्र संघ के ग्लोबल कॉम्पैक्ट कार्यक्रम के प्रति अपनी वचनबद्धता को एक बार फिर से दोहराया है और मानव अधिकारों, श्रम मानकों, पर्यावरण तथा भ्रष्टाचार विरोधी दस सिंद्वातों में निहित प्रमुख मूल्यों के संर्वधन में लगातार अपनी अग्रणी भूमिका निभाई है । बीएचईएल का उदेदश्य अपने क्षेत्राधिकार में इन संद्धांतों को बढ़ावा देना है और इसे अपनीरणनीति,संस्कृति वे दैनिक कार्यों को हिस्सा बना लिया है । बीएचईएल ने अपनी प्रतिबद्धता को यूएनजीसी की वबसाइट पर नियमित रूप से प्रगति की सूचना (सीओपी) की संकल्पनाओं को प्रचार करने के लिए राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन करने के माध्यम से दर्शाया है ।

- सामाजिक उत्तरदायित्व के भाग के रूप में कम्पनी में **7941** अधिनियम प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षित किया गया । इसके अलावा विभिन्न व्यावसायिक संस्थानों से आए **8419** विद्यार्थियों/प्रशिक्षार्थियों को वोकेशनल प्रशिक्षण दिया गया ।

सम्मान

प्रतिष्ठित राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कारों को प्राप्त करने की परंपरा को कायम रखते हुए संगठन के कर्मचारियों ने वर्ष के दौरान कई पुरस्कार जीते हैं । इनमे से उल्लेखनीय पुरस्कार इस प्रकार हैं;

- **आरएंडडी, प्रौद्योगिकी विकास और नवप्रवर्तन के लिए स्कोप का मेरिटोरियस 'पुरस्कार':** भारत की माननीया राष्ट्रपति, श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटिल ने यह पुरस्कार बीएचईएल के अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक को प्रदान किया ।

- **'एमओयू उत्पकृष्टता पुरस्कार 2009-10'** 'औद्योगिक क्षेत्र' में शीर्ष निष्पादन करने वाली सीपीएसई के लिए । यह पुरस्कार भारत के माननीय प्रधानमंत्री, डा. मनमोहन सिंह ने बीएचईएल के अध्यक्ष प्रबंध निदेशक को प्रदान किया ।

- बीएचईएल एक अकेला ऐसा सार्वजनिक उपक्रम बन गया है, **जिसे लगातार दूसरे वर्ष "एनडीटीवी प्रोफिट बिजनेस लीडरशिप अवार्ड"** के लिए एकमत से चुना गया है । बीएचईएल को वर्ष 2011 के लिए यह पुरस्कार इंजीनियरिंग की वर्टिकल इंडस्ट्री के लिए प्रदान किया गया है ।

अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक, बीएचईएल, इंजीनियरिंग वर्ग में माननीय केन्द्रीय वित्त मंत्री से एनडीटीवी प्रोफिट बिजनेस लीडरशीप अवॉर्ड 2011 प्राप्त करते हुए

- वर्ष 2010 के लिए सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र की कंपनियों में से बीएचईएल को सबसे अधिक 3 **"लागत प्रबंधन में उत्कृष्टता हेतु आईसीडब्ल्यूएआई राष्ट्रीय पुरस्कार"** प्रदान किए गए हैं । बीएचईएल को यह मान्यता लगातार छठे वर्ष मिली है ।
- बीएचईएल को **'एस्सार स्टील इन्फ्रास्ट्रक्चर एक्सीलेंस अवार्ड-2011'** सीएनबीसी टीवी 18 द्वारा प्रदान किया गया ।
- बीएचईएल की हैदराबाद और तिरूचि इकाइयों को सबसे अधिक दुर्घटना रहित अवधि और अपने कार्यस्थलों पर न्यूनतम दुर्घटना अवधि दर रहने पर उत्कृष्ट उपलब्धि के लिए 3 "**राष्ट्रीय सुरक्षा पुरस्कार**" प्रदान किए गए हैं ।
- डन एंड ब्राडस्ट्रीट के "**रोल्टा कॉर्पोरेट अवार्डस 2010**" के अंतर्गत बीएचईएल को **'इंजीनियरिंग/पूंजीगत सामान सेक्टर के अधीन शीर्ष भारतीय कंपनी** ' हेतु चुना गया है ।
- सीआईआई ने **बौद्धिक सम्पदा पुरस्कार 2011 बीएचईएल को प्रदान किया ।**

अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक, बीएचईएल सीआईआई का बौद्धिक सम्पदा पुरस्कार माननीय केन्द्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री से प्राप्त करते हुए

- बीएचईएल ने विनिर्माण सेक्टर वर्ग में "**गोल्डन पीकॉक अवार्ड फॉर आक्युपेशनल हेल्थ एंड सेफटी 2011**" तथा '**गोल्डन पीकॉक अवार्ड फॉर इनोवेशन मैनेजमेंट 2011**' भी जीता है ।

- बीएचईएल को तमिल चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स द्वारा आयात वर्ग में "**एक्जिम अवीवमेंट अर्वाड**" प्रदान किया गया ।

- अन्य पुरस्कारों में भारी उद्योग वर्ग में केन्द्रीय राज्य एवं सार्वजनिक उद्यम में उत्कृष्टता के लिए "**दैनिक भास्कर इंडिया प्राइड गोल्ड अवार्ड 2011**", पारम्परिक ऊर्जा एवं नवप्रवर्तन वर्ग में दलाल स्ट्रीट इन्वेस्टमेंट जर्नल से "**जेन्टल जाएंट**" **अवार्ड** और पारम्परिक ऊर्जा (थर्मल, न्यूक्लियर आदि) "**एनर्शिया अवार्ड 2011**" भी प्रदान किए गए ।
- अपने उत्कृष्ट निर्यात निष्पादन के लिए, बीएचईएल ने लगातार बाइसवें वर्ष इंजीनियरी निर्यात संवर्धन परिषद **(ईईपीसी)** का **'टॉप एक्सपोर्ट अवार्ड**' जीता है ।
- प्रसिद्ध अमरीकी व्यावसायिक पत्रिका '**फोर्ब्स**' ने बीएचईएल को **विश्व की नौवीं सबसे अधिक नवप्रवर्तनकारी कंपनी** का दर्जा दिया है । महत्वपूर्ण रूप से इस सूची में बीएचईएल अकेली भारतीय इंजीनियरी कंपनी है और इसे विद्युत उपस्कर क्षेत्र में सम्मिलित बहुराष्ट्रीय कम्पनियों में काफी ऊपर रखा गया है ।
- बिजनेस टुडे पत्रिका ने बीएचईएल को इंजीनियरिंग एवं ऑटोमोटिव वर्ग में **'बेस्ट इंजीनियरिंग कंपनी टु वर्क फॉर'** के रूप में मान्यता दी गई है ।
- यूरोपियन फाउंडेशन फॉर क्वालिटी मैनेजमेंट के वैश्विक रूप से मान्यता प्राप्त मॉडल के अनुसार **सीआईआई एक्जिम अवार्ड स्कीम फॉर बिजनेस एक्सीलेंस** में अपनी सतत जीत बनाए रखते हुए बीएचईएल की तीन इकाइयों यथा हैदराबाद, इलेक्ट्रानिक डिवीजन, बेंगलूर, और पावर सेक्टर पूर्वी क्षेत्र ने **'कमेंडेशन फॉर**

सिग्निफिकेंट अचीवमेंटस इन टीक्यूएम' जीता है । इसके अलावा रानीपेट इकाई को **'कमेंडेशन फॉर स्ट्रॉंग कमिटमेंट टू एक्सेल'** प्रदान किया गया ।

- 3 गुणता चक्रों ने योकोहामा, जापान में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय गुणता चक्र सम्मेलन (आईसीक्यूसीसी-2011) में केस स्टडी प्रस्तुत करने पर **स्वर्णपदक** जीते ।

- 8 प्रधानमंत्री '**श्रम पुरस्कार**' सहित 2 '**श्रम भूषण**' और 5 '**विश्वकर्मा राष्ट्रीय पुरस्कार**' ।
- **व्यक्तिगत वर्ग में निम्नलिखित पुरस्कार बीएचईएल अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक को प्रदान किए गए**

- '**स्कोप उत्कृष्टता पुरस्कार**, 2009-10' **व्यक्तिगत वर्ग में** (महारत्न एवं नवरत्न सार्वजनिक उपक्रम) भारत के माननीय प्रधानमंत्री डा. नमोहन सिंह ने प्रदान किया ।

- **'एमीनेंट इंजीनियरिंग पर्सनलिटी ऑफ इंडिया अवार्ड'** इंडियन इंजीनियरिंग कांग्रेस में इंस्टीटयुट ऑफ इंजीनियर्स (इंडिया) से प्राप्त हुआ ।

- **'फोर्ब्स इंडिया लीडरशिप अवार्ड 2011'** 'बेस्ट सीईओ पब्लिक सेक्टर' वर्ग में प्रदान किया गया ।
- सनातन धर्म चेरिटेबल ट्रस्ट का **शिवानंद एमीनेंट सिटिजन अवार्ड-** महामहिम श्री ई.एस.एल. नरसिंहमन, माननीय राज्यपाल, आंध्र प्रदेश द्वारा प्रदान किया गया।
- **नौवां वार्टशिला मन्तोष सोंधी अवार्ड**, भारत में ऊर्जा के क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए श्री बियॉन रोजनग्रेन, प्रेसीडेंट एवं सीईओ वार्टमिला कॉर्पोरेशन द्वारा प्रदान किया गया ।

-

व्यक्तिगत वर्ग में बीएचईएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक स्कोप का उत्कृष्टता पुरस्कार भारत के माननीय प्रधानमंत्री से ग्रहण करते हुए

भावी योजना

मंद वैश्विक आर्थिक गतिविधियों, यूरो युग में अनिश्चितता, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और प्रतिकूल घरेलू व्यावसायिक वातावरण ने हमारे देश की विकास की संभावनाओं में प्रमुख मंदी का जोखिम पैदा किया है । यह बड़ा विकट समय है ।

- स्ट्राटैजिक योजना 2012-17 हाल ही में तैयार की गई है, जिसमें इन अनिश्चित समय में कंपनी को चलाने का प्रयास किया गया है । एक वैश्विक इंजीनियरी उद्यम बनने के विजन के साथ, हम कंपनी को नई दिशा देने की प्रक्रिया में हैं । इसमें ईपीसी सामर्थ्य निर्माण तथा पावर सेक्टर में अपने उत्पादों का विस्तार, उद्योग व्यवसायों पर बल, स्पेयर्स एवं सेवाओं में विस्तार तथा सहयोगी दृष्टिकोण को अपनाना शामिल है ।

- हमारी मान्यता है कि हमारे कारोबार में पावर सेक्टर एक प्रमुख योगदानकर्ता बना रहेगा और परिवहन, ट्रांसमिशन अगले बड़े व्यवसायिक क्षेत्र के रूप उभर रहे हैं । हम न्युक्लियर, अक्षय ऊर्जा और जल ऊर्जा खंड में अपनी उपस्थिति और मजबूत करेंगे ।
- आज हमारी नवप्रवर्तनकारी संस्कृति को वैश्विक रूप से मान्यता मिली है । हम उत्पाद विकास और इंजीनियरी में सशक्त सामर्थ्य का विकास करने के लिए नवप्रवर्तन पर लगातार फोकस बनाए रखेंगे । हमारा प्रमुख सामर्थ्य 'इंजीनियरी एवं प्रौद्योगिकी' हमारा गौरव है । अपनी प्रमुख सामर्थ्य में उत्कृष्टता हेतु अपनी ख्याति बनाए रखने के लिए हम अपने वर्तमान उत्पादों को समकालीन स्तर तक लगातार उन्नत बनाएंगे और अपने सतत आंतरिक प्रयासों के माध्यम से तथा विश्व की अग्रणी इंजीनियरी संगठनों से नई प्रौद्योगिकी लेकर नए उत्पादों का विकास करते रहेंगे ।
- हाल ही के कुछ वर्षों में, बीएचईएल ने विनिर्माण क्षमता विस्तार में भारी निवेश किया है । हम सशक्त विनिर्माण आधार का पूरा दोहन करने के लिए अपनी विनिर्माण मूल्य श्रृंखला को सुप्रवाही बनाने के लिए कई पहल कर रहे हैं । बीएचपीवी, विजाग और केईएल, कसारगोड का अधिग्रहण इस दिशा में उठाए गए कुछ कदम हैं ।
- बीएचईएल ने पिछले पांच वर्षों में सभी स्तरों पर लगभग 20,000 से अधिक अत्यंत प्रतिभाशाली और सक्षम व्यक्तियों की भर्ती की हे । प्रत्येक कर्मचारी महत्वपूर्ण है और चूंकि हमारी सभी प्रतिभाओं का योगदान हमारे निष्पादन का अनिवार्य तत्व हैं, इसलिए हम अपने मानव संसाधन फोकस का रिओरिंएटेंशन करने की प्रक्रिया में हैं ताकि न केवल प्रत्येक व्यक्ति की क्षमताओं का विकास हो बल्कि उनके निष्पादन एवं सामर्थ्य को अपने वर्तमान व्यवसाय चुनौतियों के अनुरूप विकसित किया जा सके । नेतृत्व विकास, सक्षमता मैपिंग, निष्पादन संबंद्ध वेतन, कैरियर योजना, और उत्तरवर्तन नियोजन कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं ।
- '6-सूत्री एजेंडा यथा सामर्थ्य में वृद्धि, वृद्धित परियोजना निष्पादन, उत्पाद लागत प्रतिस्पर्धापन एवं गुणवत्ता, विविधीकरण, इंजीनियरी एवं प्रौद्योगिकी तथा व्यक्ति विकास निष्पादन लाभ के लिए हमें सतत संचालित करते रहेंगे ताकि हम अपनी साथी कपंनियों से आगे रहे सकें।
- व्यावसायिक वातावरण में अनिश्चितताओं और बढ़ती हुई कठिन प्रतिस्पर्धा के होते हुए भी हमारी अभिलाषा 2017 तक 20 बिलियन अमरीकी डालर का कारोबार करने के स्तर तक पहुंचने की है ।

अभी समाप्त हुए वर्ष में बीएचईएल का निष्पादन इसके परिवार के 49,000 से अधिक सदस्यों के अथक प्रयासों तथा इसके स्टेकहोल्डरों द्वारा व्यक्त किए गए विश्वास के द्वारा ही संभव हो सका है । हम भारी उद्योग एवं लोक उद्यम मंत्रालय के उदारपूर्वक सहयोग एवं नीति में बदलाव के लिए आभारी हैं । मैं अपने सभी स्टेकहोल्डरों, मीडिया से पधारे अपने मित्रों ओर बोर्ड में अपने साथियों को धन्यवाद देता हूं जिन्होंने बीएचईएल को नई ऊंचाइयों को प्राप्त करने में समर्थ बनाया है ।

टिप्पणी: 2011-12 के लिए कम्पनी के परिणाम अनंतिम हैं और लेखा परीक्षा के अधीन हैं ।

जारीकर्ता

कॉर्पोरेट संचार, बीएचईएल, जीवन तारा भवन, 5, संसद मार्ग, नई दिल्ली - 110001
फोन: 23347335, 23365669, फैक्स: 23342769
ई मेल: rajivb@bhel.in